POSTAL REG. NO. THC/251/2025-2027 RNI. REGN. NO. MAHBIL/2021/15722

THE PILLARS OF DEMOCRACY

VOLUME–5 ISSUE–2 FEB 2025 AMBERNATH PAGE 1 OF 4 RS 5/-

न्यायपालिका, विधायिका, कार्यपालिका तथा मीडिया का लेखा-जोखा जनता तक पहुंचाना , प्रारंभ मे एक मासिक के रूप में शुरू, इस मासिक समाचार पत्र का मूल उद्देश्य है । पाठक अपना विचार हिन्दी या अंग्रेजी में बेहिचक दे सकते हैं । शर्त सिर्फ यह है कि विचार किसी भी तरह के , प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से,पूर्वाग्रह से रहित होना चाहिए ।

email id: vote1957@gmail.com

जहां शव को अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं है, वह भारत देश है मेरा !

छत्तीसगढ़ में धार्मिक प्रपंचों/ विवादों में उलझाकर एक मृतक व्यक्ति को अंतिम संस्कार के लिए 3 हफ्ते तक इंतजार कराया गया !

ग्राम पंचायत, पुलिस, राज्य सरकार ने मामले को सुलटाने में अरुचि दिखाई। छत्तीसगढ़ हाइकोर्ट यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट भी बंटा हुआ दिखा।

इस तरह से भारत में सांप्रदायिकता का जहर फैलता जा रहा है।

मामला यों है :-

1. छत्तीसगढ़ के एक गांव में एक ईसाई धर्म के व्यक्ति की 7 जनवरी 2025 को मृत्यु हो जाती है।
2. उस गांव के श्मशान भूमि में क्रिश्चियन समुदाय के लोगों के अंतिम संस्कार के लिए एक हिस्सा मार्क / सुनिश्चित है परंपरागत तौर पर, जहां ये लोग अपने लोगों का अंतिम संस्कार करते आए हैं।
3. पर इस बार उस गांव के लोग तथा वहां की ग्राम पंचायत ने इस मृतक व्यक्ति का अंतिम संस्कार उस जगह पर नहीं होने दिया तथा जोरदार विरोध किया।
4. पुलिस ने भी मामले का संज्ञान लेने से मना कर दिया।
5. हाइकोर्ट ने भी मना कर दिया तथा उन्हें किसी अन्य गांव करकपाल (जहां ईसाई लोगों के लिए अलग से अंतिम संस्कार के लिए जगह नामित Designated) है) में अंतिम क्रिया करने का आदेश दिया।
6. मृतक के परिजन हाइकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए।
7. सुप्रीम कोर्ट के दो जजों वाले खंडपीठ में भी मतभेद रहा।
8. जस्टिस बी वी नगरतना ने फैसला दिया कि इन लोगों को इनके गांव के इनकी निजी जमीन में अंतिम संस्कार करने दिया जाय।
9. वहीं जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने फैसला दिया कि इनको कहीं भी अंतिम संस्कार करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। छत्तीसगढ़ पंचायत नियमों के अनुसार अंतिम संस्कार नामित (Designated) जगह पर ही किया जा सकता है।
10. जजों ने इस मामले को एक तीसरे जज से सुनवाई का निर्णय नहीं लिया। बल्कि अंतिम संस्कार में तीन हफ्ते के विलंब के चलते शव का अंतिम संस्कार हाइकोर्ट के फैसले के तौर पर ही करकपाल में कराने का आदेश दिया जो मृतक के गांव से 20-25 किलोमीटर दूर है।

HAPPY 76TH REPUBLIC DAY

ट्रंपस्य प्रथमे ग्रासे माक्षिका पात:

शपथ विधि पूरा होते ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा धड़ाधड़/फटाफट जारी किए गए कई कार्यकारी आदेशों में से एक अमेरिका में जन्मसिद्ध नागरिकता को समाप्त करने वाले आदेश पर एक अमेरिकी फेडरल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने रोक लगा दिया है !

देखने लायक है कि उनके द्वारा जारी अन्य आदेशों के प्रति अमेरिकी लोगों तथा अमेरिकी न्यायालयों का रवैया कैसा रहता है।

वैसे ट्रंप राज तथा मोदी राज में बहुत समानता दिखती है। दोनों ही प्रखर राष्ट्रवादी होने का दंभ भरते हैं। ट्रंप अमेरिका फर्स्ट की बात करते हैं तो भारत में भी इस तरह की भावनाओं को बल मिलता हैं। दोनों ही मौजूदा नियम कानूनों को बदल देना चाहते हैं किसी भी कीमत पर ! दोनों ही शासनों में कोर्ट की स्क्रुटनी में ये बदलाव करीब करीब धराशाई हो जाते हैं। उदारवादी तर्कशील लोगों में इनकी आलोचना होती है।

Trump Is King

Donald Trump assumes office of the US President. His speech immediately after his swearing in ceremony begins with "Golden age of America begins here". The hallmark of his speech was "American First" as any true nationalist of any nation does. He expressed his resolve to end illegal immigration in America.

Silver lining is that his tenure begins with a good beginning towards resolving the Israel Palestine conflict which has already taken a heavy toll of about 46000 human lives and over a lakh of injured in Gaza. Some truce has dawned with both the Israel and Hamas agreeing to defuse the situation in packages - the first step being the release of israeli citizens kept hostages by Hamas.

I wish the Russian Ukrain conflict too gets resolved.

And the world becomes a peaceful place for all to live in !

छत्तीसगढ़ में 32 वर्षीय युवा पत्रकार मुकेश चंद्राकर की हत्या

पत्रकार सड़क निर्माण की गड़बड़ी पर रिपोर्टिंग कर रहे थे। छत्तीसगढ़ में बीजेपी सरकार का कहना है कि आरोपी ठेकेदार कांग्रेस पार्टी से जुड़ा हुआ है जबकि कांग्रेस पार्टी का कहना हैं कि आरोपी बीजेपी में शामिल हो चुका है।

कुंभ मेला में भगदड़ - 30 मरे, 60 घायल

आशंकाएं सही साबित हो रही हैं। इतने भारी जनसैलाब को नियंत्रण करना खेल नहीं है।

मौनी अमावस्या स्नान के लिए ब्रह्म मुहूर्त की बेला के पहले रात्रि के 1 से दो बजे के बीच अखाड़ा के रास्ते पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई थी जिसके चलते एक तरफ का घेरा/बेड़ा (Barticade) टूट गया। भीड़ तितरबितर होकर स्नान के लिए इंतजार कर रहे श्रद्धालुओं से होकर भागने लगी। और ये भयंकर हादसा घटित हो गई।

मेरी समझ से विशेष स्थान पर विशेष मुहूर्त में विशेष स्नान से मोक्ष ,मुक्ति तथा पुण्य पाने की होड़ के चलते ये घटना घटी !

ऐसी घटनाओं से बचा जा सकता है यदि अंधविश्वास के मकड़जाल को खत्म किया जाय ।

एक ही वक्त में एक ही जगह पर गंगाजी में डुबकी लगाने के लिए इतनी भीड़ इकट्ठा होगी तो किसी भी तरह का प्रबंधन काम नहीं आएगा !

बहुत सारे लोग तो कुंभ मेला में मौतों को भी गौरवान्वित करते नजर आ रहे हैं सोशल मीडिया में ! इसे क्या कहा जाय ! कहां है वैज्ञानिक दृष्टिकोण (Scientific temperament) जिसकी बात हमारे देश के संविधान में प्रमुखता से कही गई है :-

Article 51A(h) -It shall be the duty of every citizen of India to develop scientific temper, humanism, and the spirit of inquiry and reform.

आर्टिकल 51क(ज) - भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह वैज्ञानिक दृष्टिकोण,मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे ।

मुंबई/महाराष्ट्र में ये क्या हो रहा है !

आज फिल्म कलाकार सैफ अली खान पर मुंबई में उनके घर में ही जानलेवा हमला हुआ है !

कुछ समय पहले मुंबई में ही फिल्मकार सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी हुई थी !

मुंबई में ही बाबा सिद्दीकी की उनके घर के करीब ही हत्या कर दी जाती है !

महाराष्ट्र के बीड में एक सरपंच संतोष देशमुख की हत्या होती है !

महाराष्ट्र के परभणी में संविधान का अपमान करने वालों का विरोध करने वाले एक युवक सोमनाथ सूर्यवंशी की पुलिस कस्टडी में संशयस्पद मौत !

मेरा इन घटनाओं को बताने का उद्देश्य यह है कि जब इतने नामी गिरामी व्यक्तियों को इतने बेखौफ ढंग से निशाना बनाया जा सकता है तो आम आदमी किस खेत की मूली है। अपराधी जब चाहें बड़ी आसानी से आम आदमी को निशाना बना सकते हैं।

ज्ञातव्य है कि कुछ वर्ष पहले महाराष्ट्रावके पुणे में अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता फैलाने वाले नरेंद्र दाभोलकर की सरेआम हत्या कर दी गई थी।

इसी तरह महाराष्ट्र के कोल्हापुर में एक कम्युनिस्ट नेता गोविंद पंसारे की हत्या कर दी गई थी।

और आज तक अंतिम दो घटनाओं के मामले में अपराधियों को सजा नहीं हो पाई है।

POSTAL REG. NO. THC/251/2025-2027 RNI. REGN. NO. MAHBIL/2021/15722

THE PILLARS OF DEMOCRACY

VOLUME–5 ISSUE–2 FEB 2025 AMBERNATH PAGE 2 OF 4 RS 5/-

पुष्पगुच्छ संस्कृति

देवता हों, पूजनीय व्यक्ति हों , मंत्री हों, अधिकारी हों या नेता हों - पुष्प चढ़ाना, फूलों का हार या माला पहनाना या पुष्पगुच्छ देकर उनकी स्तुति करने तथा उनका प्रसाद यानी उनकी कृपा पाने का एक तरीका है चाटुकारिता द्वारा।

चलिए, देवताओं तथा पूजनीय व्यक्तियों को अपवाद के रूप में लेते हैं। पर बाकियों को के साथ इस तरह का सम्मान क्या जरूरी है !

मैं ना के पक्ष में रहा हूं। मेरी समझ से हाथ जोड़ कर या हाथ हिलाकर या अन्य संकेतों द्वारा भी अभिवादन किया जा सकता है।

कुंभ मेला की विचित्रताएं

भारत की मुख्यधारा की मीडिया में कम पर सोशल मीडिया में ज्यादा ये विचित्रताएं दिखाई जा रही हैं।

लगता है कि धर्म या महाकुंभ की सार्थकता साबित करने के लिए इन विचित्रताओं को दिखाया जाता है। जैसे एक आध विदेशी पुरुष या महिलाओं को दिखाया जाता है तथा ये बताने की कोशिश की जाती है कि देखिए विदेशी भी हमारे धर्म के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इसी तरह IITian बाबा को दिखाकर ये कोशिश हो रही है कि इतने उच्च शिक्षा प्राप्त लोग भी आध्यात्मिकता की तरफ उन्मुख हो रहे हैं।

और तो और, कुछ बाबाओं को दिखाया/बताया जा रहा है जिन्होंने कई वर्षों तक अपना एक हाथ ऊपर उठाए रखा है ! मैं सोचने लगता हूं कि ये बाबा नित्य कार्यक्रम कैसे करते होंगे !

झुले पर झूलते हुए एक बाबा कह रहे थे कि वे इस झुले पर ही 10 या 15 साल बिताएंगे। इनके लिए भी सवाल है कि ये नित्य क्रियाक्रम कैसे करते होंगे !एक बाबा चुभने वाले कंटीले तारों के घोंसले में लेटे हुए थे ! घोंसले से बाहर लोगों द्वारा उनके लिए चढ़ाए गए पैसे दिख रहे थे !

नागा लोगों का तथा अन्य लोगों का उनके पूरे शरीर में भभूती (पवित्र राख) का लेप लगाए रहना भी आकर्षण केंद्र है सोशल मीडिया में।

एक बाबा सर पर भारी भरकम (10- 15 किलो या उससे ज्यादा वजन का) रुद्राक्ष माला धारण किए हुए हैं !एक किन्नर अपने सर पर कई मीटर लंबे बाल गुंडेल कर संजोए हुए है !एक भक्त बता रहे थे कि ये सब इनकी तपस्या है ! भगवान के लिए ! मोक्ष के लिए !

बात कुछ भी हो ये विचित्रताएं गिनीज बुक में दर्ज किए जाने के काबिल हैं क्योंकि हर कोई ऐसा नहीं कर सकता है।

भारत के कोर्ट परिसरों में शौचालय बनवाएं - सुप्रीम कोर्ट !

"स्वच्छ भारत मिशन" का अभियान चलने वाले भारत में शौचालयों की कमी जगजाहिर है पर पूरे भारत को खुले में शौच से मुक्त (ODF - Open Defecation Free) वर्षों पहले कब का घोषित किया जा चुका है। स्वयं अदालतों में इसकी कमी इस कदर है कि स्वयं सुप्रीम कोर्ट को आदेश जारी करना पड़ रहा है राज्य सरकारों को कि अदालतों में पर्याप्त शौचालय बनवाए जाएं। पुरुष स्त्रियों के लिए अलग अलग।

वैसे तो शौचालयों की कमी हर छोटे बड़े शहरों में देखी जा सकती है। बिहार के आरा, बक्सर, पिरो, जगदीशपुर या स्वयं पटना को ही देख लिया जाय। एक आधा अगर संयोगवश कहीं दिख भी जाए तो ठीक से साफ सफाई नहीं की जाती है ।

मजे की बात है कि बिहार सरकार का भी "लोहिया स्वच्छता अभियान" भी है।

ये सब नाम के लिए हैं। यथार्थ में इन कार्यक्रमों को ठीक से लागू नहीं किया जाता है। नाम बड़े और दर्शन खोटे वाली बात चरितार्थ होती है इन सरकारों पर !

यह कैसा न्याय है, भाई !

पिछले चुनाव में जब डोनाल्ड ट्रंप की हार हुई थी, जो बाइडन जीत गए थे तो ट्रंप समर्थकों ने अमेरिका के संसद कैपिटोल भवन में उत्पात मचाया था। इस कांड में संलिप्त 1500 आरोपियों को अमेरिका के मौजूदा तथा पुनर्निवाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने माफी देने के अधिकार के तहत बरी कर दिया !

इस हिसाब से तो ट्रंप उनके खुद के ऊपर चल रहे मामलों से अपने आप को भी बरी कर सकते हैं।

ज्ञातव्य है कि अमेरिकी लोकतंत्र विश्व का सबसे पुराना लोकतंत्र माना जाता है ब्रिटेन के बाद । इनके नियम और कानूनों को आदर्श माना जाता है। भारत के संविधान निर्माताओं ने संविधान बनाते वक्त अमेरिका, ब्रिटेन आदि के संविधान तथा नियमों का सहारा लिया था।

ऐसे में जब यहां के सर्वोच्च पदस्थ व्यक्ति इस तरह के फैसले ले सकता है तो विश्व के अन्य देशों के कानून व्यवस्था के नियमों पर अच्छा प्रभाव नहीं पड़ेगा !

उसी तरह जन्म के आधार पर नागरिकता दिए जाने के प्रावधान को ट्रंप द्वारा खत्म किया जाना भी साझ के बाहर है क्योंकि ऐसा प्रावधान विश्व के हर देश के संविधान में है।

भारतीय चुनावों में पैसे की अहम भूमिका

नकद पैसे बांट कर वोट खरीदे जाते थे खरीदे जाते हैं। आजकल एक नया तरीका भी प्रयोग में खूब आ रहा है। रेवड़ी बांटना (Freebies) ! चुनाव घोषणा पत्रों में स्पर्धात्मक तौर पर घोषित किया जाता है कि अगर चुन कर सरकार में आए तो सबके बैंक खाते में 1500, 2500 , 8500 आदि डाल दिए जाएंगे। खटाखट ! ये भी तो एक तरह से कैश बांटना ही है। फर्क सिर्फ है कि एक चुनाव से पहले दिया जाता है दूसरा चुनाव के बाद जीतने पर जीतकर सरकार बनाने पर !

क्या ऐसा लोकतंत्र का मजाक नहीं है। चुनाव आयोग के पर्यवेक्षक क्या करते हैं ! शायद मूकदर्शक बने रहते हैं।

मतलब साफ है कि चुनाव जीतने के लिए सबसे बड़ी योग्यता है पैसा ! बाकी सब गौण हैं, फीके हैं।

ऐसे में समान धरातल level playing field की बातें बेमानी लगती हैं।

बीजेपी नेता सामूहिक बलात्कार के आरोपी !

ये आरोपी हैं हरियाणा राज्य के बीजेपी प्रमुख मोहन लाल बाडोली तथा हरियाणा के हो एक सिंगर रॉकी मित्तल उर्फ जय भगवान जिसने मोदी जी की स्तुति में अनेकों गीत गाए हैं तथा जो हाल ही में बीजेपी से कांग्रेस में शामिल हुआ है । इन लोगों के खिलाफ हिमाचल प्रदेश की पुलिस ने सामूहिक ब्लातकार (Gang rape) का मामला (FIR) दर्ज किया है।

इन पर आरोप है कि इनलोगों ने एक लड़की के साथ हिमाचल प्रदेश के सोलन जा के कसौली के एक होटल में सामूहिक बलात्कार किया । सरकारी नौकरी तथा जॉब देने का लालच देकर तथा जबरदस्ती शराब पिला कर, दर धमाका कर दुष्कर्म को अंजाम दिया।

कहा तो ये भी जा रहा है कि इन्हीं नेता महोदय ने बीजेपी को हरियाणा के पिछले विधान सभा में बीजेपी को जीत दिलाई ।

बीजेपी नेता इसे राजनीति से प्रेरित मामला करार दे रहे हैं।

क्या इसमें न्याय होगा तथा दोषियों को सजा मिलेगी या यूपी के बीजेपी नेता तथा तब के एमपी बृज भूषण शरण सिंह की तरह इस मामले को भी रफा दफा करने की कोशिश होगी !

“ईश्वर अल्लाह तेरो नाम सबको सन्मति दे भगवान, रघुपति राघव राजा राम पतित पावन सीता राम !”

सत्य और अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी को उनकी पुण्यतिथि 30 जनवरी 1948 पर हार्दिक श्रद्धांजलि !

POSTAL REG. NO. THC/251/2025-2027 RNI. REGN. NO. MAHBIL/2021/15722

THE PILLARS OF DEMOCRACY

VOLUME–5 ISSUE–2 FEB 2025 AMBERNATH PAGE 3 OF 4 RS 5/-

तिरूपति में भगदड़, 3 महिला समेत 9 की मौत

विशेष अवसर पर विशेष दर्शन के लिए टोकन बांटे जा रहे थे। भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। टोकन पाने की होड़ लग गई । फिर भगदड़ तो होना ही था। 9 जानें गईं। कितने घायल हुए होंगे, भगवान को ही पता होगा। कहा तो ये भी जा रहा है कि एक बीमार महिला को भीड़ से बाहर निकालने की कशमकश में भगदड़ मच गई ।

जांच होगी। लीपा पोती होंगी। राजनीति होंगी।

पर सबसे जरूरी है भक्तों में जागरूकता फैलाना कि वे भीड़भाड़ से बचें ! पर क्या भारत जैसे धर्म प्रधान देश में ये संभव है।

अलाहाबाद में कुंभ मेला लग रहा है। मेरी शुभकामना है कि सब ठीक ठाक गुजर जाय वरना धार्मिक कार्यक्रमों में इस तरह की घटनाएं भारत में आम है।

असम में खदान हादसा

असम में कोयला खदान में पानी भरने से फंसे हुए 9 मजदूरों में से 3 की मृत्यु की पुष्टि हो चुकी है पर अभी भी फैंस हुए 6 लोगों का पता नहीं लग पाया है।

खदान में 200 फीट तक पानी भरा हुआ है। NDRF, SDRF तथा सेना को बड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है।

भारत में खदानों में विगत में बड़े बड़े हादसे हो चुके हैं। अब तक सुरक्षा के संसाधनों की व्यवस्था पर्याप्त हो जानी चाहिए थी। पर आज भी इस तरह की दर्दनाक घटनाओं का घटित होना दुर्भाग्य है या लापरवाही क्योंकि मजदूरों की जान दांव पर होती है !

मुंहफट बिधूड़ी

बीजेपी के सांसद रमेश बिधूड़ी ने अबतक तीन बार अपनी फूहड़ बातों के लिए कीर्तिमान स्थापित किया है।

1. पहली बार लोकसभा में ही एक अन्य सांसद के खिलाफ गंदी भाषा का प्रयोग किया सबके सामने। स्पीकर भी कुछ नहीं कर सके। यद्यपि मामला संसद के विशेषाधिकार समिति के पास गया है पर आज घटना को होकर करीब दो साल होने को आए पर मामले में कोई प्रगति को खबर नहीं है।

2. दूसरी बार आप नेता तथा दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी के नाम को लेकर अनाप शनाप बात कही है।

3. और अब कांग्रेस नेता तथा केरल के वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी के बारे में अभद्र भाषा का प्रयोग कर के अभद्रता का एक और मिसाल दिया है ।

ऐसा लगता है कि बीजेपी में अभद्रता एक विशिष्ट योग्यता बनते जा रही है।

इंटरनेट अपराध में दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ोतरी

इंटरनेट के विकास ने विश्व में इंटरनेट धोखाधड़ी (Cyber Fraud) में भी अप्रत्याशित विकास किया है। भारत में इसकी पैठ कुछ ज्यादा ही जोर पकड़ती नजर आ रही है।

यद्यपि इसके बारे में लोगों में जागरूकता खूब बढ़ाई जा रही है। मोबाइल पर कॉल करने से पहले साइबर फ्रॉड के खिलाफ जानकारी दी जा रही है पर साइबर चोरों/ठगों को पकड़ने में तथा उनके खिलाफ कार्रवाई की खबरें कहीं भी सुनने को नहीं मिल रही है।

सिर्फ "जागते रहो" कहने से काम नहीं चलेगा।अपराधियों को पकड़ना तथा उन्हें सबक सिखाना , उनके पास से ठगी का माल पकड़ना तथा ठगे गए लोगों को वापस करना जरूरी है।

2023 में 1128265 साइबर ठगी के मामलों में 7488.69 करोड़ रुपए की हुई।

2024 के पहले चार महीने में ही 740,000 साइबर ठगी के मामलों में 1750 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी हुई।अनुमानों के मुताबिक अगर ये ट्रेंड जारी रहा तो भारत में (2047 तक जब भारत आजादी का 100 साल पूरा कर लेगा) साइबर अपराध का धंधा 17 ट्रिलियन यानी 17 खरबों रुपए तक पहुंच सकता है। ये बात भारत को विश्व गुरु बनाने का सपना दिखाने वालों को ध्यान में रखनी होगी !

दिल्ली विधान सभा के चुनावी दंगल का बिगुल बजा !

5 फरवरी 2025 को वोट पड़ेंगे। 8 फरवरी 2025 को परिणाम आ जाएंगे! लड़ाई बहुत रोचक रहेगी। दो दशकों से दिल्ली से केंद्र पर राज करने वाली बीजेपी स्वयं दिल्ली से दूर है। कांग्रेस भी दिल्ली से दूर है। भ्रष्टाचार भगाओ आंदोलन से जन्मी आम आदमी पार्टी (आप) ने दस बारह वर्षों से इन दोनों बड़ी पार्टियों बीजेपी और कांग्रेस को दिल्ली से दूर रखा है।

पर इस बार इतना आसान आप के लिए भी नहीं होगा दिल्ली को पाना। भ्रष्टाचार दूर करने वाले अन्ना आंदोलन से अस्तित्व में आई आम आदमी पार्टी खुद भ्रष्टाचार के आरोपों से घिर चुकी है। प्रमुखत: दिल्ली में शराब घोटाले का खुलासा या सफाई इन्हें देते रहना पड़ेगा क्योंकि इन आरोपों में इसके बड़े शीर्षस्थ नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, जैन जेल में रह चुके हैं।

और दिल्ली में इंडिया गठबंधन बनने से रहा !

वैसे दंगल तो पहले से ही छिड़ चुका है। घटिया स्तर का प्रचार शुरू हो चुका है। बीजेपी के नेता रमेश बिधूड़ी के ओछे भाषणों पर हर तरफ से छी:छी: हो रही है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने भी अपशब्दों को नोटिस किया है तथा नेताओं को आगाह भी किया है। पर कथनी और करनी में फर्क होता है। जब शीर्षस्थ नेता ही इस तरह के वक्तव्यों में लग जाते हैं तो उनके पादचारी सैनिकों (foot soldiers) के मन बढ़ना स्वाभाविक है।

हार जीत होती रहेंगी। पर भगवान सुबुद्धि दें नेताओं को सभ्य भाषा का प्रयोग करने की चुनाव प्रचार के गहमागहमी में !

What Is Wrong If Our PM Uses Tele-prompter

A video is making rounds in social media showing our Prime Minister perplexed while delivering some speech somewhere ! The video wants the viewers to believe that the Prime Minister was at his wit's end after his Tele -prompter went faulty alleging that he had no clue as to what to speak further. He is shown speechless and somewhat disturbed.

Without going into veracity of facts as to whether he really uses teleprompters while delivering speeches or not or whether the video being shown is genuine or doctored ---- I want to have my say as under :-

What is wrong in taking help of a teleprompter ! People use to have chit ie something written on a piece of paper or even a completely written speech.

I don't feel that this is wrong.

As such we should stop making mockery of our PM or for that matter, of anybody else !

My question remains to be answered as to what is wrong if some one uses electronic devices while delivering speeches.

If machines go faulty the audience bears with it. What happens when mike gets faulty. This no doubt causes interruption. Teleprompter going faulty can be understood in similar manner.

Memorising ie mugging up everything before delivering speeches is not at all required or advisable.

बिहार के पटना में पुलिसिया बर्बरता

बीपीएससी परीक्षा ले रही थी SDM, SDO, DSP आदि की। पेपर लीक हुआ। अभ्यर्थी मांग करने लगे फिर से परीक्षा की।अभ्यर्थी शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे।इसी बीच पुलिस इन्हें खदेड़ने लगी, मारने लगी, कड़ाके की ठंड में पानी का बौछार (water canon) दागने लगी। अफरातफरी मची। कितने घायल हुए होंगे, कितनों को मार लगी ये तथा निष्पक्ष जांच के बाद ही पाया चल सकता है।

मजे की बात है कि जिन पदों के अधिकारियों की नियुक्ति के लिए परीक्षा की जा रही थी, उन्हीं पदों के अधिकारी उन्हीं पदों के अभ्यर्थियों पर लाठी बरसा रहे थे।SDM, SDO या DSP जैसे उच्च पदों के अभ्यर्थी उदंड तो नहीं हो सकते हैं जिनके ऊपर लाठी चलाने की नौबत आए।

भारत में छात्रों के साथ ऐसा सलूक बिहार के लिए शर्मनाक है ! दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए तथा पूरी परीक्षा फिर से हो !

POSTAL REG. NO. THC/251/2025-2027 RNI. REGN. NO. MAHBIL/2021/15722

THE PILLARS OF DEMOCRACY

VOLUME–5 ISSUE–2 FEB 2025 AMBERNATH PAGE 4 OF 4 RS 5/-

Miscellaneous

बिहार में एक उभरता नेता प्रशांत किशोर

राजनीति की मुख्यधारा में प्रवेश करने का सही मौका पकड़ा है प्रशांत किशोर ने जो इधर कई महीनों से बिहार की राजनीति में नई सोच , सबसे हटकर, लाने की बात करते रहे हैं।

चुनावों में राजनीतिक पार्टियों के सलाहकर्ता के अपने पेशे से राजनीति में प्रवेश करने का इनका फैसला स्वागत योग्य है। पर राजनीति में राजनीति के दलदल से अपने आप को बाहर रखते हुए लोगों का काम करना मुश्किल काम है।

ये अपने आप को भले ही निष्पक्ष या स्वतंत्र बताने की कोशिश करें पर इन्होंने अबतक बीजेपी सरकारों के सांप्रदायिक , नफ़रती भाषणों, विरोधियों को जेल में भरने, यू ए पी ए तथा पीएमएलए जैसे खतरनाक कानूनों तथा उनके अंदर अपने प्रतिद्वंद्वियों को जेल में डालने, विरोध तथा आंदोलनों को कुचलने की प्रवृत्ति पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। इनकी ऐसी कोई प्रतिक्रिया मैने नहीं सुनी है अब तक। ऐसे में भारत के विपक्ष के साथ सामंजस्य करना इनके लिए संभव कैसे होगा ! चुनाव लड़ेंगे तो इन्हें बीजेपी को परोक्ष रूप से मददगार के रूप में देखा जा सकता है !

हाल के बीपीएससी की परीक्षा में पेपर लीक के मसले को सही पकड़ा है इन्होंने। आमरण अनशन पर बैठ गए हैं इस मांग के साथ कि बीपीएससी की परीक्षा रद्द की जाए तथा फिर से परीक्षा हो।

पर वे इस मुद्दे पर आंदोलन कर रहे अन्य दलों को भी साथ में लेकर चलने की कोशिश करते तो उनके कद में वृद्धि होती।

कहा तो ये भी जा रहा है कि जिस समय अभ्यर्थियों पर लाठी तथा पानी बरसाया जा रहा था प्रशांत किशोर वहां से बच निकले तथा उनका अता पता ही नहीं चला।

कम से कम इस मुद्दे पर आंदोलन कर रहे अन्य दलों को साथ ले लिया होता या लेने की कोशिश भी की होती तो बात कुछ और होती । इनकी मान्यता या स्वीकार्यता लोगों में बढ़ती ।

अन्ना के आंदोलनों की तरह इनका आंदोलन भी कहीं बीजेपी के इर्दगिर्द मंडराने वाला बनकर ना रह जाए।

धार्मिक प्रतिस्पर्धा तथा रेवड़ी में फिलहाल केजरीवाल आगे !

आगामी दिल्ली विधान सभा चुनाव जीतने पर केजरीवाल मंदिरों तथा गुरद्वारों के पुजारियों तथा ग्रंथियों को 18000 रुपए प्रति माह के तनख्वाह देंगे !

ऐसा लगता है कि मोदी जी और केजरीवाल में सबसे बड़ा हिंदूवादी होने की होड लगी हुई है।

एक तरफ राम मंदिर, मस्जिदों के नीचे मंदिर तलाशने में लगी बीजेपी बहुसंख्यक हिंदुओं के ध्रुवीकरण के प्रयास में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ रही है -- वहीं दूसरी तरफ केजरीवाल की आप हनुमान भक्ति के लिए जानी जाती है। और अब ये पुजारियों को आप द्वारा तनख्वाह देने की बात ने बीजेपी को हतप्रभ कर दिया है लगता है।

ज्ञातव्य है कि इसके पहले बीजेपी के लोगों द्वारा अरविंद केजरीवाल की आलोचना की जाती रही है कि उन्होंने इमामों को तनख्वाह देने का कानून बनाया है।

बाकी फ्री रेवड़ी की महामारी भारत में सर्वत्र फैल चुकी है । कर्नाटक हो, आंध्र प्रदेश हो, महाराष्ट्र हो, झारखंड हो - चुनावों के वक्त सबको महिला सम्मान की बात याद आने लगती है। अब सबने महिलाओं को हर महीने पैसे देने की घोषणा की है, दिया भी है।

भारत के मतदाता इन अलोकतांत्रिक प्रलोभनों में फँस भी जाते हैं।

मेरा मानना है सक्षम तथा संपन्न लोगों को कोई भी चीज मुफ्त में देने की जरूरत ही क्यों हो ! चाहे वे महिला हों या वरिष्ठ नागरिक हों या छात्र हों। इन्हें मुफ्त में बस में सफर, मुफ्त में पैसे बांटना, मुफ्त में तीर्थ यात्रा कराना, मुफ्त में लैपटॉप, मोबाइल या साइकिल बांटना गलत है।

हां, योग्य मामलों में मदद जरूर देनी चाहिए। गरीबों तथा मजबूरों की पहचान होनी चाहिए उन्हें मदद करने के लिए !

वन तथा पर्यावरण पर हमला

पर्यावरण की अहमियत से बेखबर झारखंड के जमशेदपुर के मानगो स्थित वन क्षेत्र को नष्ट किया जा रहा है। पेड़ पौधों को उखाड़ कर फेंका जा रहा है।

झारखंड के जमशेदपुर में मानगो में बड़ा हनुमान मंदिर के पीछे स्थित वन क्षेत्र में पेड़ और पौधे बुलडोजर की मदद से काटे जा रहे हैं। इस अवैध कार्य में शामिल लोग दावा कर रहे हैं कि वे झारखंड के वन विभाग के निर्देश पर ऐसा कर रहे हैं।

शिकायतों के प्रति वन अधिकारियों की अन्यमनस्कता चिंताजनक है।

Renowned Journalist Rajdeep Sardesi tweets

Days before his assassination, Mahatma Gandhi had said, “Have I that non-violence of the brave in me? My death alone will show that. If someone killed me and I died with prayer for the assassin on my lips, and God’s remembrance and consciousness of His living presence in the sanctuary of my heart, then alone would I be said to have had the non-violence of the brave.’ Remembering Bapu on his death anniversary. Don’t forget the mindset that drove Godse to assassinate Gandhi still exists amongst us : both on social media and in public life. Be ready to fight those who have hate in their hearts. And violence in their minds.

कॉंग्रेस नेता तथा लोकसभा मे नेता विपक्ष राहुल गांधी के ट्विटर से

गांधी जी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं, वह भारत की आत्मा हैं, और हर भारतीय में आज भी जीवित हैं। सत्य, अहिंसा और निडरता की शक्ति बड़े से बड़े साम्राज्य की जड़ें हिला सकती हैं - पूरा विश्व उनके इन आदर्शों से प्रेरणा लेता है। राष्ट्रपिता, महात्मा, हमारे बापू को उनके शहीद दिवस पर शत-शत नमन।

Prime Minister Narendra Modi Tweets

Paid homage to Pujya Bapu at Rajghat earlier today. We reiterate our commitment towards realising his vision for our nation.

CPIM Tweets

CPIM remembers Mahatma Gandhi today 30 Jan 2025
He wanted a secular nation and was killed by the right wing because they saw his as a threat to their project. On his death anniversary we pledge to fight for his idea of India.

आरजेडी नेता तथा बिहार विधानसभा में नेता विपक्ष तेजस्वी यादव के ट्विटर से

सभी देशवासियों को जागरूक और एकजुट कर भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को एक जन आंदोलन में परिवर्तित करने वाले सत्य, अहिंसा और सदाचार के पुजारी, परम पूज्य राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि।

Printed, published and owned by Harishankar Upadhyay and printed and published at Flat 15B, Jeevan Jyot, Bhidewadi, Kansai Section, Ambernath (East), Dist Thane (Maharashtra), PIN 421501. Editor Harishankar Upadhyay, Mobile 9869435995